कोलंबो प्रक्रिया

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

वर्ष 2003 में कोलंबो प्रक्रिया की स्थापना के बाद, भारत हाल ही में **पहली बार इस क्षेत्रीय समूह का अध्यक्ष बना** है।

- भारत **वर्ष 2024-26 की अवधि** तक इस समूह का नेतृत्व करेगा।

कोलंबो (Colombo) प्रक्रिया क्या है?

- **परिचय:**
  - **कोलंबो प्रक्रिया में 12 एशियाई देश शामिल हैं,** यह एक क्षेत्रीय परामर्श मंच के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य **दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया** के उन **देशों** के लिये विदेशी रोज़गार से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है जो प्रवासी श्रमिकों को विदेश भेजते हैं।
  - इसके 12 सदस्य देशों में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, फिलीपींस, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं।
    - **संस्थापक राज्यों में** बांग्लादेश, चीन, भारत, इंडोनेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, फिलीपींस, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम **शामिल** हैं।
    - अतीत में इसकी **अध्यक्षता** अफगानिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, **फिलीपींस, इंडोनेशिया** और बांग्लादेश ने की है।
  - **कोलंबो प्रक्रिया के अंतर्गत निर्णय सर्वसम्मति से लिये जाते हैं और बाध्यकारी नहीं होते।**
- **उद्देश्य:**
  - अनुभव, सीखे गए सबक और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना।
  - **विदेशी श्रमिकों के सामने आने वाले मुद्दों** पर परामर्श करना और **व्यावहारिक समाधान** सुझाना।
  - संगठित विदेशी रोज़गार से **विकास लाभों को अधिकतम करना।**
  - **मंत्रिस्तरीय अनुशंसाओं** के कार्यान्वयन की समीक्षा और निगरानी करना।
- **सचिवालय:** अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (International Organisation for Migration- IOM) कोलंबो प्रक्रिया को तकनीकी और प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है।
  - श्रीलंका स्थित **कोलंबो प्रक्रिया तकनीकी सहायता इकाई** (Colombo Process Technical Support Unit- CPTSU) कोलंबो प्रक्रिया को उसके विषयगत क्षेत्रों में **तकनीकी सहायता प्रदान** करती है।
- **पाँच विषयगत प्राथमिकता वाले क्षेत्र:**
  - कौशल और योग्यता मान्यता प्रक्रिया
  - नैतिक भर्ती प्रथाओं को बढ़ावा देना
  - प्रस्थान-पूर्व अभिविन्यास और सशक्तीकरण
  - प्रेषण के किफायती, तेज़ और सुरक्षित हस्तांतरण को बढ़ावा देना
  - श्रम बाज़ार विश्लेषण
- **उपलब्धियाँ:**
  - यूरोप में श्रमिकों की नियुक्ति और नैतिक भर्ती पर एशिया में **रोज़गार एजेंसियों हेतु एक क्षेत्रीय कार्यशाला मनीला** (2006) में आयोजित की गई थी।
  - खाड़ी सहयोग परिषद (Gulf Cooperation Council- GCC) के संविदा श्रम गंतव्य देशों में से एक में **प्रवासी श्रमिक संसाधन केंद्र** (Overseas Workers Resource Centre- OWRC) स्थापित करने हेतु व्यवहार्यता अध्ययन पूर्ण हो गया है।
  - वर्ष 2008 में ब्रुसेल्स (Brussels) में सर्वप्रथम **"श्रम प्रवास पर एशिया-यूरोपीय संघ परामर्श"** का आयोजन किया गया था, जिसमें कोलंबो प्रक्रिया देशों के अतिरिक्त 16 यूरोपीय संघ सदस्य देशों ने भाग लिया था।

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (International Organisation for Migration -IOM):

- यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक हिस्सा है, जो 1951 से सभी के लाभ के लिये मानवीय और व्यवस्थित प्रवासन को बढ़ावा देने वाला अग्रणी अंतर-सरकारी संगठन है। इसके 175 सदस्य देश हैं और वर्तमान में 171 देशों में इसकी उपस्थिति है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰:

प्रश्न. भारत इनमें से किसका सदस्य है? (2008)

1. एशियाई विकास बैंक
2. एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग
3. कोलंबो प्लान
4. आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)

नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 2 और 3
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/colombo-process-1